हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–185 : जौनपुर, मंगलवार 26 अक्टूबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले– प्रदेश में कोरोना पूरी तरह नियंत्रित

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में कोविड–19 संक्रमण न्यूनतम स्थिति में है। विगत 24 घंटे में हुई एक लाख 48 हजार 946 सैम्पल की टेस्टिंग में लखनऊ, कानपुर नगर और जालौन जिलों को छोड़ शेष किसी भी जिले में एक भी नया केस नहीं पाया गया। इसी अवधि में 07 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। 75 जिलों में मात्र 5 संक्रमित मिलना कोविड पर प्रभावी नियंत्रण की पुष्टि करता है। वर्तमान में एक्टिव कोविड केस की संख्या 94 रह गई है, जबकि 16 लाख 87 हजार 108 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। 42 जिलों में एक भी कोरोना संक्रमित नहीं है। स्थिति संतोषजनक है। त्योहारों के दृष्टिगत सतर्कता–सावधानी बनाए रखी जाए। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को टीम 9 की बैठक में अपने संबोधन में कही। इस दौरान उन्होंने अफसरों को निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के साथ–साथ तेज टीकाकरण की रणनीति कोविड से बचाव में अत्यंत कारगर रही है। प्रदेश में अब तक 12 करोड़ 67 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। हमारे 03 करोड़ से अधिक प्रदेशवासी टीके की दोनों खुराक प्राप्त कर चुके हैं। जबकि 09 करोड़ 65 लाख से अधिक लोगों (पात्र आबादी का 65.46:) ने कम से कम एक डोज लगवा ली है। दूसरी डोज के लिए क्लस्टर मॉडल के आधार पर तेजी से टीकाकरण किया जाए। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना अभियान स्वरूप में की जा रही है। अब तक स्वीकृत 548 में से 507 प्लांट्स क्रियाशील हो चुके हैं। इन प्लांट्स के संचालन के लिए हर केंद्र पर न्यूनतम तीन प्रशिक्षित युवाओं

की तैनाती की जाए। स्थानीय स्तर पर पैरामेडिक्स व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण कराया जाए। वायरल बीमारियों से बचाव के लिए हर मरीज की निगरानी करें। डेंगू, डायरिया, मलेरिया सहित विभिन्न वायरल बीमारियों से बचाव के लिए सर्विलांस को बेहतर करते हुए हर एक मरीज के स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जाए। अस्वस्थ लोगों के उपचार के लिए सभी अस्पतालों में प्रबंध किए गए हैं। व्यापक स्वच्छता, सैनिटाइजेशन और फॉगिंग का कार्य सतत जारी रखें। लक्षणयुक्त मरीजों की जांच जरूर की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि खाद्य तेलों, सब्जियों और दाल आदि के बाजार मूल्य नियंत्रित रखने के लिए सभी प्रयास हों। कालाबाजारी व जमाखोरी के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। हाल के दिनों में नगरीय निकायों में शामिल हुए ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय विकास की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। लोगों से संवाद बनाएं। सड़क, पेयजल, सीवर आदि बुनियादी सुविधाओं का लाभ स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए। संबंधित नगरीय निकाय इस दिशा में पहल करें। किसानों को सुगमतापूर्वक डीएपी खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। प्रत्येक जिले में मांग–आपूर्ति के बीच संतुलन बनाये रखें। डीएपी के कृत्रिम अभाव की स्थिति बनाने वालों के साथ कठोरता से निपटा जाए। प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना अभियान स्वरूप में की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना अभियान स्वरूप में की जा रही है। अब तक स्वीकृत 548 में से 507 प्लांट्स क्रियाशील हो चुके हैं। इन प्लांट्स के संचालन के लिए हर केंद्र पर न्यूनतम तीन प्रशिक्षित युवाओं की तैनाती की जाए। स्थानीय स्तर पर पैरामेडिक्स व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण कराया जाए।

जनपद कोरोना से मुक्ति की ओर, फिर भी रहना होगा सतर्क

गोरखपुर संवाददाता आशुतोष चौधरी : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय का कहना है कि जिला कोविड मुक्ति की ओर बढ़ रहा है लेकिन समुदाय की सतर्कता में कमी हुई तो मुसीबत बढ़ सकती है । त्योहार के समय कोविड नियमों के प्रति सख्त होना पड़ेगा और प्रवासियों के साथ संयमित व्यवहार अपनाना होगा । उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि मॉस्क, दो गज की दूरी और हाथों की स्वच्छता का नियम अपनाएं रखें । तय समय पर कोविड टीके की दूसरी डोज अवश्य लगवा लें और कोविड अनुरूप व्यवहार जारी रखें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 24 अक्टूबर तक जिले में कोविड के चार सक्रिय मामले रह गये थे । जिले में अब तक कोविड के कुल 59430 पॉजीटिव मरीज पाए गये हैं द्य इस समय रोजाना 3500 कोविड नमूनों की जांच की जा रही है । प्रतिदिन 2000 आरटीपीसीआर जांच की जा रही है, जबकि 1500 एंटीजन जांच हो रही है । कोविड के मामले न के बराबर हैं लेकिन त्योहारों में संयमित व्यवहार न अपनाने पर फिर से कोविड का प्रसार होने की आशंका है । उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि अगर किसी को भी सर्दी, खांसी, जुकाम के साथ सांस फूलने की समस्या है तो आइसोलेट हो जाएं और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से कोविड जांच करवा लें। अगर किसी प्रवासी में यह लक्षण हैं तो आशा कार्यकर्ता को सूचना दें और उन्हें प्रेरित करें कि कोविड जांच करवा लें। बाहर का खाना खाने से पहरेज करें। घर में बने पौष्टिक भोजन का सेवन करें और अगर कोविड का टीका नहीं लगवाया है तो कोविन पोर्टल पर पंजीकरण करवा कर टीका अवश्य लगवा लें । त्योहार में लोगों से मिलें तो दूरी बनाकर मिलें और नमस्ते से ही अभिवादन करें । इस समय जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा और दस्तक अभियान चल रहा है, जिसमें कोविड के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को चिन्हित किया जा रहा है । ऐसे में अगर आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्षणों के बारे में पूछें तो उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराएं। दोनों डोज के बाद भी रहें सतर्क। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कोविड टीके की दोनों डोज लगने के बाद भी कोविड होने की आशंका समाप्त नहीं होती । ऐसे लोगों को भी कोविड हुआ है । टीका लगने के बाद होने वाले कोविड में बीमारी के कारण जटिलताएं पैदा नहीं होती हैं । इसलिए टीका लगवाने के बाद भी कोविड से बचाव का श्रेयस्कर उपाय कोविड प्रोटोकॉल का पालन ही है। हाथों की स्वच्छता न भूलें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि त्योहारों के समय खानपान के दौरान हाथों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना है । कोविड समेत अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए हाथों की स्वच्छता की विशेष भूमिका है । साबुन–पानी से हाथों की सही तरीके से सफाई के छह प्रमुख चरण बताये गए हैं, जिसे सुमन–के विधि से समझा जा सकता है । इसका मतलब है पहले सीधा हाथ साबुन–पानी से धुलें, यू– फिर उलटा हाथ धुलें, एम–फिर मुठ्ठी को रगड़–रगड़कर धुलें, ए– अंगूठे को धुलें, एन–नाखूनों को धुलें और के–कलाई को अच्छी तरह से धुलें । इस विधि से हाथों की सफाई की आदत बच्चों में बचपन से ही डालनी चाहिए और उसकी अहमियत भी समझानी चाहिए।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

12 फिट के अजगर को पकड़ ग्रामीणों ने वन विभाग को सौंपा

गोरखपुर खंजनी ब्यूरो रवि कुमार : गोला थाना क्षेत्र के ग्राम रेमा अमगाड़ा निवासी विजेन्द्र मिश्र के घर के पास महिलाओं ने बीते रात केले के पेड़ पास एक एक अजगर देखा। अजगर के होने की सूचना गांव में फैल गयी। गांव के युवा विजय मिश्रा,अनुराग मिश्रा, आदर्श मिश्रा, गोलू मिश्रा, गगन मिश्रा, कमलेश मिश्रा अजगर को पकड़ने की कोशिश में लग गये। अजगर पर युवाओं के द्वारा काबू पाने के बाद देखा गया तो वह तकरीबन 12 फिट लंबा था। जिसकी जानकारी तत्काल वन विभाग को दे दी गयी। वन की टीम के गांव पंहुचने पर अजगर को उन्हें सौंप दिया गया।

शिविर में 242 मरीजों ने कराई आंखों की जांच

आर एल पाण्डेय लखनऊ। पाल पैराडाइज मैरिज लॉन में निःशुल्क नेत्र शिविर यूपीआईडीआर चेयरमैन क्षिप्रा शुक्ला की अगुवाई में किया गया। नेत्र जाँच शिविर में 242 मरीजों की जाँच की गई। कारीगर–

बुनकर प्रकोष्ठ, भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश संह–संयोजक अध्यक्ष श्रीमती क्षिप्रा शुक्ला द्वारा क्षेत्र में निशुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। निःशुल्क जाँच एवं चश्मा भेंट किया गया। उक्त जानकारी समाजसेविका सरोज त्रिपाठी ने दी।

सपा छात्रसभा राष्ट्रीय महासचिव का जोरदार स्वागत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के निर्देश पर वाराणसी निवासी संदीप सिंह स्वर्णकार को समाजवादी छात्रसभा का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किये जाने के ततपश्चात अपने गृहजनपद वाराणसी प्रथम आगमन के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष छात्रसभा अतुल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ द्वारा शहर के वाजिदपुर तिराहे पर उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है ऐसे में समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को अपने साथ जोड़ने के लिए प्रयास तेज कर दिए है इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के तेजतर्रार सपा नेता संदीप सिंह स्वर्णकार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूथ यूनिट छात्रसभा का राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया। मनोनयन के बाद गृह जनपद प्रथम आगमन पर आज नगर के वाजिद पुर तिराहे पर समाजवादी छत्रसभा के पूर्व जिलाध्यक्ष अतुल सिंह

के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओ के हुजूम के साथ उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान अतुल सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी हर वर्ग का सम्मान करती है श्री संदीप स्वर्णकार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय कमेटी में समायोजित कर हम युवाओ के मनोबल को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि संदीप जैसे जमीनी कार्यकर्ता को सम्मान दिए जाने पर हम सभी युवा अखिलेश जी का कृतज्ञता पूर्वक आभार प्रकट करते है। इस अवसर पर रामबचन यादव, विनय यादव, अनिल यादव मास्टर, विशाल चौबे, सोनू यदुवँशी, अंकित यादव, निर्भय, अभय, अमन, संजय यादव, विक्की सोनकर, बेचन, सोनू रजक, सौरभ सिंह समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेड़ से टकराकर बाइक सवार तीन युवकों की मौत, रात भर पड़े रहे शव

आजमगढ़ ब्यूरो : आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के दरियाबाद पुल के पास सोमवार की देर रात रेसर बाइक अनियंत्रित होकर ताड़ के पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह राहगीरों की सूचना पर घटना की जानकारी हुई तो पुलिस ने तीनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र

के रहने वाले हैं और रिश्तेदारी में मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गांव में आए थे। पुलिस के अनुसार, मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नेवादा मोहल्ला निवासी फैयाज अहमद के घर पर 28 अक्तूबर को वैवाहिक समारोह है। इसमें शामिल होने के लिए मऊ जिले के घोसी थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर निवासी कलीम(20) पुत्र नसीम, आसिफ(21) पुत्र अनीस और मदारपुर हुसैनपुर निवासी फैज(22) पुत्र मेराज सोमवार को सामान लेकर नेवादा आए थे।हादसे के बाद घायल होकर रातभर पड़े रहे तीनों। देर रात करीब 10:30 बजे लगभग तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर घर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान रास्ते में दरियाबाद पुल के पास बाइक अनियंत्रित होकर ताड़ के पेड़ से टकरा गई। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल सुनसान स्थान होने के चलते रात में किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। मंगलवार की सुबह राहगीरों ने तीनों को मृत हाल में पाया। सूचना पर मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मृतकों के परिजनों व रिश्तेदारों को मिलते ही कोहराम मच गया।

समाजसेवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया सम्मानित

आर एल पाण्डेय लखनऊ। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर द्वारा भारत में 100 करोड़ करोना वैक्सीनेशन संपन्न होने के मौके पर टीकाकरण के क्षेत्र में हुए चिकित्सकों पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ, अथवा वैक्सीनेशन के क्षेत्र में सहयोग करने वाली समाजसेवी संस्थाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक पंकज सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पंकज सिंह ने कहा कि 100 करोड़ वैक्सीनेशन संपूर्ण होने में समाजसेवी संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। इस उपलब्धि को पाने में ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला लखनऊ का बहुत बड़ा सहयोग है। गुरुद्वारा नाका हिंडोला में 70000 लोगों को वैक्सीन लगी है। और आगे भी निरंतर वैक्सीनेशन का कार्य चल रहा है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ महानगर के अध्यक्ष अभिषेक खरे ने गुरुद्वारा साहब में चल रहे वैक्सीनेशन की सेवा को देखते हुए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का आभार प्रकट करते हुए सरदार सतपाल सिंह मीत, सरदार हरविंदर पाल

सिंह, सरदार तेजिंदर सिंह, सरदार रनजीत सिंह, सरदार कुलदीप सिंह सलूजा, दीपक सिंह, सरदार किशन सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

संगठन ने सात सूत्रीय माँगो के सम्बंध में विधायक को सौपा ज्ञापन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक इकाई मड़ियाहूं, रामनगर, बरसठी के अध्यक्ष विशाल सिंह, संतोष सिंह व दिवाकर चौहान के संयुक्त नेतृत्व में शिक्षकों ने ने पुरानी पेंशन बहाली सहित सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मड़ियाहूं विधायक डॉ लीना तिवारी को उनके मड़ियाहूं स्थित आवास पर सौंपा। शिक्षक प्रतिनिधियों ने बताया कि विगत कई वर्षों से संगठन शिक्षकों की महत्वपूर्ण मांगों को लेकर संघर्षत है, उसी के क्रम में पूरे प्रदेश में मननीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को सम्बोधित करके दिया जा रहा है। मड़ियाहूं अध्यक्ष डॉ विशाल सिंह ने कहा कि हम अपनी वाजिब माँगो जैसे पुरानी पेंशन बहाली, वेतन विसंगति को दूर करने, कैशलेस चिकित्सा, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के

अध्यापक पद पर समायोजन, पदोन्नति जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग लंबे समय से करते आ रहे है।लेकिन सरकार हम शिक्षकों के प्रति असंबेदनशील हो गई हैं।किंतु अब हमारा आंदोलन हमारी माँगो के पूरा होने तक जारी रहेगा। इस अवसर पर मंत्री प्रदीप सूर्या ,सुभाष बिंद, संगठन मंत्री विजय शंकर, सोमेन्द्र त्रिपाठी, श्री पाल सिंह, शशांक मिश्र जय प्रकाश सहित कई शिक्षक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एम0पी0 सिंह की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में 25 अक्टूबर 2021 को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि विधिक व्यवस्था में प्रदत्त अधिकारों का ससमय उपयोग करने के लिये जागरूक किया जा रहा है, हमें जीवन में जहॉ कहीं भी विधिक सहायता की आवश्यकता हो वहॉ विधि व्यवस्था के अर्न्तगत प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करना चाहिये तथा कर्मचारियों से अपील की गयी कि विधिक सेवाओं की जानकारी जन–जन में प्रचारित करें। जनपद न्यायाधीश द्वारा न्यायालय परिसर में वृक्षरोपण भी किया गया, उनके द्वारा बताया गया कि वृक्षों के काटने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। शुद्ध वायु की कमी हो रही है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को यथासंभव अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करना चाहिए। अपर जिला जजगण सर्वश्री रमेश दूबे, प्रकाश चन्द्र शुक्ला, अशोक कुमार यादव, रजनेश कुमार, अंजनी कुमार सिंह, शरद त्रिपाठी, श्रीमती शिवानी रावत सचिव, जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर सिविल जज जु0डि0 गण सर्वश्री शुभम, प्रवीण कुमार यादव, वीरेन्द्र प्रताप सिंह आदि द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। सचिव, श्रीमती शिवानी रावत द्वारा बताया गया कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रशासनिक सहयोग से घर–घर जाकर विधिक सेवा गतिविधियों के बारे लोगों को जागरूक कराया जा रहा है, इस अभियान के अर्न्तगत जनपद न्यायालय से सम्बद्ध सभी लोगों से अपील की गयी कि वह अपने–अपने क्षेत्र के कमजोर वर्ग, महिलाओं व बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में लोगों को जागरूक करायें।

कानपुर एटीएस की टीम ने सियालदह राजधानी से चार संदिग्धों को उठाया

चंदौली ब्यूरो : नई दिल्ली से सियालदह जा रही 02314 डाउन सियालदह राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से सोमवार की देर रात कानपुर की एटीएस टीम ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सभी को चंदौली जिले के पीडीडीयू जंक्शन पर पहुंचते ही पकड़ा है। ये ट्रेन के बी1 कोच में सफर कर रहे थे। पकड़े गए संदिग्धों ने नई दिल्ली से सियालदह तक का टिकट कराया। इन्होंने ट्रेन का टिकट ई–टिकट के माध्यम से कराया था। एटीएस की टीम चारों संदिग्धों का कानपुर से पीछा कर रही थी। ट्रेन के पीडीडीयू जंक्शन के प्लेटफॉर्म–2 पर पहुंचते ही टीम ने चारों संदिग्धों को धर दबोचा। इसके बाद टीम सभी को सड़क मार्ग से होते हुए कानपुर के लिए निकल गई। पिछले दिनों एटीएस की टीम ने कुछ आतंकियों को कानपुर के स्टेशन से ही पकड़ा था। पकड़े गए आतंकियों के निशाने पर टीम ने लखनऊ से कुछ लोगों को पकड़ा था। पकड़े गए लोग लखनऊ समेत अन्य स्थानों पर बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
यदि हम अपनें से मित्रता कर लेते हैं तो कभी अकेले नहीं होंगे–
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

ईरान तथा चीन के जरिए अफगानिस्तान को साधना

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले 20 वर्षों में पूरी तरह अमेरिकी धन पर आश्रित हो गई है। तालिबान के पहले अफगानिस्तान सरकार के बजट का 75% हिस्सा विदेशी अनुदान से प्राप्त हो रहा था। तालिबान की विजय के बाद यह रकम मिलना बंद ही नहीं हो गई है बल्कि अफगानिस्तान की पूर्व सरकार द्वारा अमेरिका के बैंकों में रखी गई रकम को भी फ्रीज कर दिया गया है। अफगानिस्तान की सरकार को पूर्व में जो आए होती थी उसकी तुलना में केवल 25% रकम अब उपलब्ध होगी जो कि उस देश को निश्चित रूप से आर्थिक संकट में डालेगी। यह थी सरकार की बात। देश के मूल व्यवस्था का भी ऐसा ही हाल है। अफगानिस्तान की आय का दूसरा स्रोत अफीम है। विश्व का 80% अफीम का उत्पादन अफगानिस्तान में होता है लेकिन इस मद से अफगानिस्तान को कम ही आए हो रही है। एक अनुमान के अनुसार पूर्व में तालिबान को अफीम के व्यापार से कम और कानूनी व्यापार पर वसूले गए गैरकानूनी टैक्स से अधिक आय होती थी पूर्णविराम जैसे किसी व्यापारी ने कालीन का निर्यात किया उसे कालीन को बंदरगाह तक पहुंचाना है। बंदरगाह तक माल को सुरक्षित पहुंचने देने के लिए तालिबान द्वारा वसूली की जाती थी पूर्णविराम इस प्रकार की वसूली से तालिबान को आए ज्यादा होती थी। यद्यपि विश्व स्तर पर तालिबान का अफीम की सप्लाई में हिस्सा अधिक है लेकिन इससे तालिबान को भारी रकम मिलने की संभावना कम ही है। अफगानिस्तान की आय का दूसरा स्रोत विदेशी व्यापार था। इस दिशा में भी तालिबान की रुचि कम ही दिखाई देती है। जैसे भारत से व्यापार को प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारत को अफगानिस्तान द्वारा फल ड्राई फ्रूट और मसाले सप्लाई किए जाते थे जिनके व्यापार से प्रतिबंधित होने से भी अफगानिस्तान के इन माल के उत्पादकों को अपना माल बेचने की समस्या पैदा हो गई है। अफगानिस्तान का तीसरा आर्थिक स्रोत खनिज है लेकिन इस संपत्ति का बड़ी जीत दोहन कम ही हो पा रहा है। उदाहरण स्वरूप चीन ने 2007 में एक तांबे की खान का अनुबंध किया था जो कि अभी तक चालू नहीं हो सकी है। इसके पीछे कुछ कारण राजनीतिक भी है। लेकिन यदि खनिजों की गुणवत्ता उत्तम होती तो उनके दोहन का रास्ता निकाल ही लिया जाता। दूसरे खनिजों के दोहन का भी यही हाल है। संभवतः इसीलिए पिछले 50 वर्षों में अफगानिस्तान में खनिजों के दोहन में विशेष प्रगति नहीं हो सकी है। इस प्रकार अफगानिस्तान आर्थिक दृष्टिसे हर तरफ से घिरा हुआ है।

विदेशी मदद में भारी कटौती हुई है अफीम का व्यापार सीमित है विदेश व्यापार को स्वयं तालिबान ने प्रतिबंधित किया है और खनिजों का बड़ी जीत दोहन कठिन दिखता है। लेकिन इस आर्थिक संकट से तालिबान और अफगानिस्तान के लोग टूटेंगे इस पर संदेह है। हम देख चुके हैं कि सीरिया ईरान उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देशों में भारी आर्थिक संकट के बावजूद लोगों ने अपनी सरकारों का समर्थन किया है। तालिबान मूलतः धार्मिक प्रवृति के लोग हैं। अमेरिका की इंस्टिट्यूट ऑफ पीस के एक अध्ययन के अनुसार तालिबान के चार प्रमुख मुद्दे राष्ट्रीय संप्रभुता सैन्य ताकत जिहाद की पवित्रता और इस्लामिक अमीरात की मान्यता है। इनमें अंतिम दो यानी जिहाद की पवित्रता और इस्लामिक अमीरात की मान्यता धर्म से जुड़े हुए हैं। इसी प्रकार अमेरिका की फॉरेन पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित एक सर्वे के अनुसार तालिबान कोई मुट्ठी भर आतंकवादी नहीं है। तालिबान का समर्थन अफगानिस्तान का आम आदमी करता है। उनका उद्देश्य है कि अपने धर्म और अपनी संस्कृति की रक्षा करें। इसी क्रम में इंडोनेशिया की यूनिवर्सिटी ऑफ द्वारा प्रकाशित एक सर्वे में कहा गया है कि तालिबान का उद्देश्य भ्रष्ट और धार्मिक सरकार को बदलना और धार्मिक इस्लामिक सरकार की स्थापना करना है। इस वक्तव्य से स्पष्ट होता है कि तालिबान का उद्देश्य धर्म से प्रेरित है इसलिए आर्थिक संकट से यह टूटेंगे ऐसा प्रतीत नहीं होता है। भारत को इस परिस्थिति में अपना रास्ता बनाना है। तालिबान और पाकिस्तान दोनों ही कश्मीर के मुद्दे पर हमारे विरुद्ध खड़े हुए ये हैं। इसलिए तालिबान के साथ हम सामान्य संबंध नहीं बना पाएंगे। इस स्थिति में भारत के सामने 2 उपाय हैं। पहला उपाय यह है कि अमेरिका के साथ गठबंधन बनाकर तालिबान पाकिस्तान ईरान और चीन के सम्मिलित गठबंधन का हम सामना करें। दूसरा उपाय है कि हम अमेरिका को छोड़कर ईरान और चीन के साथ गठबंधन बनाकर तालिबान और पाकिस्तान को घेरने का प्रयास करें। इस निर्णय पर पहुंचने के लिए हमको ईरान और चीन का तालिबान के प्रति रुख समझना होगा। ईरान शिया बहुल देश है। अफगानिस्तान में भी 20% मुसलमान सिया है। इन पर पूर्व में अक्सर अफगानी सुन्नियों द्वारा अत्याचार किए जाते रहे हैं। निवर्तमान संविधान में शिया और सुन्नी को बराबर का दर्जा दिया गया था परंतु इस प्रकार के धार्मिक विवाद संविधान ओं से कम ही उलझते हैं। इसलिए ईरान का मूल झुकाव तालिबान के विरुद्ध है। वह अपने सिया अल्पसंख्यक भाइयों की रक्षा करना चाहेंगे। इसी प्रकार चीन के सामने उइगर मुसलमानों का संकट है। चीन नहीं चाहेगा कि तालिबान के साथ जुड़ाव करके इन मुसलमानों को अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन दे। इसलिए चीन और ईरान दोनों ही तालिबान के विरुद्ध हमसे जुड़ सकते हैं। चीन के लिए अफगानिस्तान का आर्थिक महत्व तुलना में कम है क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के माध्यम से चीन को हिंद महासागर में पहुंच मिल ही रही है। आर्थिक दृष्टि से भी हमारे लिए ईरान और चीन के साथ गठबंधन लाभप्रद हो सकता है। ईरान के पास तेल भारी मात्रा में है और चीन के साथ हमारा व्यापार भारी मात्रा में हो ही रहा है। इसलिए आर्थिक दृष्टि से और तालिबान को घेरने की दृष्टि से यह ज्यादा तर्कसंगत लगता है कि हम ईरान और चीन के साथ मिलकर तालिबान और पाकिस्तान के गठबंधन को घेरने का प्रयास करें। यूं भी अमेरिका का सूर्य अस्त हो ही रहा है। अमेरिका जब अफगानिस्तान को त्याग कर चला गया है तो उसी अमेरिका के भरोसे हम ईरान तालिबान पाकिस्तान और चीन के विशाल गठबंधन का सामना बड़ी कठिन ता से कर सकेंगे। तालिबान की समस्या मूलतः धार्मिक समस्या है। तालिबान का वैचारिक आधार अपने देश की ही देवबंदी विचारधारा है। इसलिए भारत को विश्व गुरु की भूमिका निभानी है तो देवबंदी विचारकों के साथ संवाद कर तालिबान की विचारधारा का रूपांतरण करने का साहस दिखाना होगा तभी तालिबानी इस्लाम को नई दिशा देने का संकल्प पूरा होगा। क्योंकि तालिबान मूल रूप से धार्मिक संस्था है इसलिए धार्मिक संवाद संभव हो सकता है। तब ही हमारे चारों तरफ शांति स्थापित होगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं। – डॉक्टर संजय शुक्ला ''पथिक''
(लेखक प्रख्यात स्तंभकार एवं राजनैतिक विश्लेषक हैं)

लाखों कर्मियों व पेशनरों को होगा फायदा, सीएम की सहमति के लिए भेजा प्रस्ताव

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली के पहले बोनस व महंगाई भत्ते की एक साथ सौगात देने की तैयारी है। शासन के वित्त विभाग ने बोनस का प्रस्ताव तैयार कर वित्त मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के लिए भेज दिया है। महंगाई भत्ता व महंगाई राहत की मंजूरी का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अक्तूबर के वेतन के साथ नवंबर में किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि वित्त विभाग ने अराजपत्रित कर्मचारियों को एक महीने का तदर्थ बोनस देने का प्रस्ताव तैयार किया है। पूर्व की तरह बोनस का 25 प्रतिशत हिस्सा नकद और 75 प्रतिशत जीपीएफ में भेजने का प्रस्ताव है। तदर्थ बोनस की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये प्रस्तावित है। 30 दिन का बोनस 6,908 रुपये मिल सकता है। यदि कर्मचारियों को 25 प्रतिशत ही नकद भुगतान किया गया तो बोनस के 6,908 रुपये में से 1,727 ही हाथ में आएंगे। ग्रेड पे–4800 रुपये तक के 12 लाख से अधिक अराजपत्रित कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की सहमति मिलने पर बोनस का भुगतान अक्तूबर के वेतन के साथ नवंबर में किया जा सकता है। इसी तरह केंद्र सरकार की तरह प्रदेश के कर्मचारियों को एक जुलाई से तीन प्रतिशत बढ़ा महंगाई भत्ता व पेंशनरों को महंगाई राहत भुगतान की तैयारी है। कर्मचारी व पेंशनर वर्तमान में 28 फीसदी महंगाई भत्ता व महंगाई राहत पा रहे हैं। तीन प्रतिशत वृद्धि के बाद यह बढ़कर 31 प्रतिशत हो जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों व पेंशनरों को बढ़ा डीए व डीआर अक्तूबर के वेतन के साथ नवंबर में देने का प्रस्ताव है। जुलाई से सितंबर तक का डीए कर्मचारियों के जीपीएफ में भेजा सकता है। इससे संबंधित प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

क्रूज ड्रग्स मामला: मुख्य गवाह किरण गोसावी लखनऊ में करेगा समर्पण, मड़ियांव थाने के बाहर पुलिस बल तैनात

लखनऊ ब्यूरो : क्रूज ड्रग्स मामले के मुख्य गवाह किरण गोसावी को एनसीबी तलाश रही है। अचानक सोमवार को उसके लखनऊ में समर्पण करने की सूचना आई। उसका नाम इस मामले में सबसे पहले तब सामने आया था, जब उसने शाहरूख खान के बेटे आर्यन के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड की थी। उस समय लोगों को लगा था कि किरण एनसीबी का अधिकारी है लेकिन बाद में एनसीबी के अधिकारियों ने साफ किया कि वह एक निजी जासूस व एक प्लेसमेंट एजेंसी का मालिक है। क्रूज मामले में 10 गवाहों में एक वह भी है। इस सूचना के बाद से कमिश्नरेट में हड़कंप मच गया। वहीं देर रात तक मड़ियांव पुलिस अलर्ट पर रही। रात में थाने के गेट पर पुलिस मुस्तैद कर दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, एनसीबी मुंबई को मुख्यालय ने निर्देश दिया है कि मामले के गवाह किरण गोसावी को तलब किया जाए जिससे जांच जल्द पूरी हो सके। ऐसे में एनसीबी उसकी तलाश कर रही है। किरण गोसावी पर युवकों को विदेश में नौकरी दिलाने को लेकर लाखों की ठगी के मामले में महाराष्ट्र की केलवा पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस केस के बाद गोसावी के खिलाफ महाराष्ट्र में धोखाधड़ी एवं अन्य आरोप में दर्ज मामलों की संख्या चार हो गई। इस संबंध में एसीपी अलीगंज अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि सिर्फ सूचना है। लेकिन उसके खिलाफ न तो मड़ियांव थाने में कोई मुकदमा दर्ज है और न ही कोई लखनऊ के केस से जुड़ा वारंट जारी है। ऐसे में वह मड़ियांव थाने में किस आधार पर समर्पण करेगा। यह समझ से परे है। हालांकि इस सूचना को लखनऊ कमिश्नरेट ने गंभीरता से लिया है। प्रभारी निरीक्षक मड़ियांव मनोज सिंह को सतर्क कर दिया गया

है। किरण गोसावी के मड़ियांव थाने में समर्पण की सूचना पर राजधानी में हड़कंप मच गया। पुलिस के अधिकारियों ने संबंधित क्षेत्र के एसीपी व निरीक्षक को अलर्ट कर दिया। देर रात तक थाने के बाहर व अंदर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। देर शाम 8 बजे के बाद से मड़ियांव थाने के बाहर मीडिया का जमावड़ा लग गया। इस पर पुलिस अधिकारी भी सतर्क हो गए। वहीं प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह अपनी टीम के साथ थाने के गेट पर मुस्तैद थे। हालांकि देर रात करीब 11 बजे तक किरण गोसावी का कोई पता नहीं चला। फिर भी पुलिस अलर्ट पर ही रही। हेलो मैं किरण गोसावी बोल रहा हूं। हेलो मड़ियांव पुलिस चौकी से बोल रहे हैं। सर, आप चौकी पर अभी हो? सर, वहां पर आना था। मैं किरण गोसावी बोल रहा हूं, मुझे सरेंडर करना है। पुलिसकर्मी ने पूछा क्यूं सरेंडर करना है? तो उधर से आवाज आई नजदीकी पुलिस स्टेशन है। इतनी बात सुनने केबाद पुलिसकर्मी ने थाने आने से मना कर दिया। यह ऑडियो देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें किरण गोसावी बनकर किसी ने बात की। उसने मड़ियांव थाने के फोन नंबर पर बात करने की बात कही। हालांकि इस बातचीत के बारे में पुलिस पुष्टि नहीं कर रही है।

दो एयरपोर्ट पूर्वी यूपी के विकास को देंगे डबल उड़ान, गोरखपुर–कुशीनगर से हवाई सेवा पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात

लखनऊ ब्यूरो : कभी पिछड़े इलाके में शुमार रहे पूर्वांचल में बमुश्किल 50 किमी के फासले पर सात साल के अंदर दो–दो हवाई अड्डे आने से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की सौगात पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए किसी सपने के साकार होने से कम नहीं है। दोनों हवाई अड्डे विकास को नई उड़ान तो देंगे ही, साथ ही खराब मौसम में एक–दूसरे का विकल्प भी बनेंगे। खराब मौसम में फ्लाइट कैंसिल होने की समस्या से यात्रियों को बहुत हद तक निजात मिलेगी। हालांकि घने कोहरे में निर्बाध फ्लाइट के लिए दोनों हवाई अड्डे आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से गोरखपुर हवाई अड्डे पर अक्सर खराब मौसम की मार यात्रियों पर फ्लाइट कैंसिल होने के रूप में पड़ती है। ऐसी स्थिति में कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करीबी विकल्प मिलने से समय और पैसे की बचत भी होगी। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के निदेशक एके द्विवेदी का भी कहना है कि दो एयरपोर्ट करीब होने से फ्लाइट कैंसिल होने की स्थिति में एक हवाई अड्डे का विकल्प मिलेगा। उनका कहना है गोरखपुर हवाई अड्डे पर कम दृश्यता में भी निर्बाध लैंडिंग और टेकआफ की सुविधा के उपकरण लग चुके हैं। कुशीनगर एयरपोर्ट पर भी आने वाले समय में ऐसी व्यवस्था होने के बाद फ्लाइट कैंसिल की समस्या से बहुत हद तक निजात मिल सकेगी। पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा। कुशीनगर से नेपाल समेत पश्चिमी बिहार के लोगों को मिलेगी सुविधा। विदेशी पर्यटकों के साथ ही पश्चिमी बिहार, नेपाल सहित आसपास के लोगों को कुशीनगर से सीधी हवाई सेवा की सुविधा उपलब्ध होगी। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली होने से कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की जरूरत दशकों से थीं। कुशीनगर बौद्ध सर्किट का अहम पड़ाव होने से दुनिया भर के बौद्ध अनुयायी अपने जीवन में एक बार जरूर यहां आकर तथागत के दर्शन की इच्छा रखते हैं, लेकिन सीधी उड़ान न होने से नहीं आ पाते थे। दशकों से तथागत की परिनिर्वाण स्थली पर हवाई सेवा का अभाव खटकता था। जबकि कसया में हवाई पट्टी अंग्रेजी हुकूमत में

सामरिक और व्यापारिक जरूरतों के मद्देनजर द्वितीय विश्वयुद्ध (1942) के दौरान ही बनी थी। लेकिन आजादी के दशकों बाद भी कसया की हवाई पट्टी को हवाई अड्डे में तब्दील करने की किसी सरकार ने इच्छा शक्ति नहीं दिखाई। गोरखपुर से हवाई सेवा भी 80 के दशक में बंद कर दी गई। बतौर सांसद योगी आदित्यनाथ के मैराथन प्रयास से गोरखपुर में हवाई सेवा बहाल हुई और उन्ही के अथक प्रयास से गोरखपुर हवाई अड्डे पर नया आधुनिक टर्मिनल भवन बना। आज कई शहर एयर कनेक्टिविटी से जुड़ते जा रहे हैं। थाइलैंड और खाड़ी के देशों से मजदूरों की राह होगी आसान। गोरखपुर मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर, अहमदाबाद से जुड़ चुका है। शीघ्र ही गोवा की फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों की राह और आसान हो जाएगी। गोरखपुर से अभी तक दिल्ली के लिए सर्वाधिक चार नियमित उड़ानें भी यात्रियों की तादाद के आगे कभी कभी कम पड़ जाती हैं। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए–नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास का द्वार खोलेगा और पांच करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यहां नए–नए उद्योगों के रास्ते खुलेंगे। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से आने वाले समय में थाइलैंड की राजधानी बैंकाक और खाड़ी के देशों में रोजी–रोटी के लिए गए लोगों की राह आसान हो जाएगी। अभी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग कोलकाता से बैंकाक और अरब देशों की फ्लाइट लखनऊ या दिल्ली से पकड़ते हैं । कुशीनगर से फ्लाइट सेवा शुरू होने पर उनका पैसा और समय दोनों की बचत होगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होने से रात में भी फ्लाइट की सुविधा आगामी कुछ माह में उपलब्ध हो जाएगी। गोरखपुर से अभी तक शाम तक ही घरेलू उड़ान की सुविधा उपलब्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री मांडविया बोले: कोरोना वायरस के एवाई.4.2 वैरिएंट पर बनी है हमारी नजर, हर स्तर से हो रही जांच

नई दिल्ली ब्यूरो : भारत में AY.4.2 नामक कोरोना के नए वेरिएंट सामने आने के बाद से सरकार के साथ–साथ लोगों की चिंता भी एक बार फिर से बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इस मामले पर बात करते हुए कहा कि सरकार की नजर इस मामले पर बनी हुई है और हर स्तर से इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और नेशनल सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की टीमों पर विभिन्न प्रकारों का अध्ययन और विश्लेषण का जिम्मा है। कोवाक्सिन की डब्ल्यूएचओ से मंजूरी आज की बैठक पर निर्भर: मांडविया । वहीं डब्ल्यूएचओ द्वारा कोवैक्सिन की मंजूरी पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की एक प्रणाली है जिसमें एक तकनीकी समिति होती है जिसने कोवाक्सिन को मंजूरी दे दी है जबकि दूसरी समिति की आज बैठक हो रही है। कोवाक्सिन की मंजूरी आज की बैठक के आधार पर दी जाएगी। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन पर दी जानकारी। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना

मिशन' के तहत सभी स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं से युक्त दो कंटेनर स्थापित किया जाएंगे, जिन्हें आपात स्थिति में एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकेगा। मांडविया ने बताया कि हर कंटेनर में 200 बिस्तरों की क्षमता होगी और इन्हें दिल्ली एवं चेन्नई में स्थापित किया जाएगा। इन कंटेनर को आपात स्थिति में हवाई मार्ग से या ट्रेन के जरिए ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने स्वास्थ्यसेवा के क्षेत्र के प्रति 'प्रतीकात्मक' नहीं, बल्कि 'समग्र' दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 वैश्विक महामारी ने स्वास्थ्य सेवा संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार करने का अवसर दिया है और इसके लिए 64,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' की शुरुआत की गई।

करोड़ों की ठगी के मामले में शिल्पा शेट्टी को राहत, पूर्व मैनेजर सहित आठ पर गिर सकती है गाज

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ के विभूतिखंड व हजरतगंज थाने में दर्ज ठगी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी व उनकी मां सुनंदा शेट्टी को पुलिस ने राहत दे दी है। उनपर लगे आरोपों का जवाब पुलिस के नोटिस के बाद वकील के जरिये दे दिया गया है। जबकि इस मामले में शिल्पा की पूर्व मैनेजर किरण बाबा सहित आठ लोग पुलिस की कार्रवाई की जद में आ गए हैं। उनके खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। विभूतिखंड निवासी ज्योत्सना ने शिल्पा शेट्टी की कंपनी आयोसिस वेलनेस सेंटर की फ्रेचांइजी देने के नाम पर ठगी और पूरी रकम लेने के बाद घटिया सामान आपूर्ति का आरोप लगाकर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में शिल्पा शेट्टी ने पीड़ित महिला के फ्रेचांइजी लेने से पहले ही कंपनी छोड़ देने के साक्ष्य पुलिस को दिए हैं। इसके आधार पर पुलिस ने उनका नाम केस से हटा दिया है। हालांकि कंपनी की डायरेक्टर व शिल्पा की सहयोगी रहीं किरण बाबा को अभी क्लीन चिट नहीं दी है। पुलिस ने इस केस में कंपनी से जुड़े आठ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट लगा दी है। जल्द ही पुलिस टीम दोबारा किरण बाबा को नोटिस भेजकर बयान दर्ज कराने के लिए लखनऊ बुला सकती है। पुलिस ने केस दर्ज होने के बाद 11 अगस्त को बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और किरण बाबा को मुंबई जाकर घर में नोटिस दिया था। साथ ही कंपनी के आरोपी विनय भसीन, अनामिका चतुर्वेदी, ईशरफील धरमजवाला, आशा और पूनम झा से पूछताछ की थी। शिल्पा की पूर्व मैनेजर समेत सात के खिलाफ चार्जशीट दाखिल। डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन के मुताबिक, शिल्पा शेट्टी व उनकी मां सुनंदा शेट्टी के ठगी से पहले कंपनी छोड़ने के कारण केस से उनका नाम हटा दिया गया है। जबकि अन्य आठ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई है। विवेचना चिनहट के बीबीडी चौकी प्रभारी अजय शुक्ला कर रहे हैं। अजय के मुताबिक, साक्ष्यों के आधार पर कंपनी से जुड़े विनय भसीन, दर्शन, अनामिका चतुर्वेदी, पूनम कुमारी झा, ईशरफील धरमजवाला, आशा शेट्टी और नवनीत सुजलाना के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। किरण बाबा के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं। उन्हें दोबारा नोटिस दिया जाएगा। उनको लखनऊ बुलाया जा सकता है। साक्ष्य न दे पाने पर उनके खिलाफ

कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शिल्पा ने दिया जवाब, 2017 में ही छोड़ दी थी कंपनी। विवेचक अजय शुक्ल के मुताबिक, सितंबर के पहले सप्ताह में शिल्पा व उनकी मां की तरफ से वकील के माध्यम से जवाब आया था जिसमें उन्होंने कंपनी के 2017 के अंत में ही छोड़ देने की बात कही थी। इसके साक्ष्य भी उन्होंने प्रस्तुत किए थे। इस आधार पर उन्हें मुकदमे से संदिग्ध लोगों की लिस्ट से हटा दिया गया। गोमतीनगर की ज्योत्सना ने लगाए थे गंभीर आरोप। गोमतीनगर निवासी पीड़िता ज्योत्सना ने आरोप लगाया था कि आयोसिस कंपनी का प्रमोशन करते हुए किरण बाबा ने शिल्पा के साथ कई वीडियो दिखाकर झांसे में लेकर कंपनी की फ्रेंचाइजी दिलवा दी। इसके चलते अप्रैल 2019 में विभूतिखंड के रोहतास प्रेसिडेंशियल आर्केड में 1300 वर्ग फीट की दुकान किराये पर लेकर सेंटर की शुरुआत कर दी। कंपनी ने वादा किया था कि वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करने शिल्पा आएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शिल्पा को बुलाने के लिए 11 लाख रुपये मांगे गए थे। ज्योत्सना के मुताबिक, इसके बाद सेंटर पर किरण बाबा ने कब्जा कर लिया। ज्योत्सना उस सेंटर पर 1.36 करोड़ का निवेश कर चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने 19 जून 2020 को विभूतिखंड थाने में सभी के खिलाफ केस दर्ज कराया था। थाने से कार्रवाई न होने पर जांच चिनहट थाना को दी गई। घर गिरवी रखकर लिया था लोन। ज्योत्सना एयरटेल में नौकरी करती थीं। उनके पति आनंद कुमार राणा कोर्ट में जॉब करते हैं। शिल्पा की कंपनी में इनवेस्ट कर अच्छी आमदनी के लालच में दोनों ने अपनी जमा पूंजी लगा दी। रुपये कम पड़े तो आशियाना स्थित मकान गिरवी रखकर स्टेट बैंक से 75 लाख रुपये लोन भी लिया लेकिन सेंटर बंद होने के बाद उनकी पूरी पूंजी डूब गई और लोन का ब्याज हर माह बढ़ता जा रहा है।

भाजपा नेता ने खुद को गोली मार कर दी जान : पत्नी से चल रहा था विवाद

लखनऊ सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित नंदिनी अपार्टमेंट में भाजपा नेता अभिषेक शुक्ला ने सोमवार सुबह अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गले पर सटाकर खुद को गोली मार ली। उनका शव फ्लैट के अंदर कुर्सी पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पत्नी से विवाद की बात सामने आयी है। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी विजयेंद्र सिंह के मुताबिक अभिषेक शुक्ला मूल रूप से गोरखपुर की सिंघड़िया कालोनी के रहने वाले थे। वह यहां नंदिनी आपर्टमेंट में पांचवें तल पर रहते थे। सोमवार सुबह फ्लैट के एक कमरे में उनके दोस्त पवन पांडेय निवासी सिंघड़िया सोए थे। इस बीच एकाएक गोली चलने की आवाज हुई तो वह भागकर ड्राइंग रूम में पहुंचे। वहां कुर्सी पर अभिषेक का खून से लथपथ शव पड़ा देख उनकी चीख निकल पड़ी। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम और अभिषेक के घर वालों को मामले की जानकारी दी। सूचना पर फोरेंसिक टीम और पुलिस पहुंची। शव कुर्सी के सहारे लटका था। गले में गोली लगी थी। कुर्सी के नीचे पिस्टल और मोबाइल पड़ा था। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। इस बीच पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पत्नी से विवाद

की बात आयी सामने। इंस्पेक्टर ने बताया कि कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें पत्नी कुमुद से विवाद की बात लिखी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि कुमुद यहां ओमेक्स सिटी में रहती हैं। दोनों के बीच विवाद चल रहा था। सुसाइड नोट में अभिषेक ने लिखा की पत्नी से विवाद के कारण वह परेशान थे। इस कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और मौके से मिले साक्ष्यों को जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। इस संबंध में अभिषेक की पत्नी से भी बात की जाएगी। उन्हें घटना की जानकारी दे दी गई है। घटना से जुड़े हर पहलू की गनहता से पड़ताल की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक से कुचलकर बीए की छात्रा की दर्दनाक मौत : एसडीएम सीओ के समझाने पर मामला हुआ शांत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बगल देवकली पावर हाउस बाजार में एक बीए की छात्रा को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई ।स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा तीन घंटे के चले चक्का जाम में एसडीएम और सीओ के समझाने पर मामला शांत हुआ। हरबसपुर गांव के निवासी स्व साहबलाल यादव की 19 वर्षीय बेटी करिश्मा यादव सूर्य बली महाविद्यालय सरायख्वाजा में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी और पठन–पाठन के बाद वह घर लौट रहे थी, जैसे ही वह साईकिल से देवकली जौनपुर शाहगंज मार्ग पावर हाउस से अपने घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने संतुलन खो दिया और करिश्मा को कुचल दिया ।जिससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना से आसपास के लोग आक्रोशित हो गए और युवा किसान नेता डा अमित यादव के नेतृत्व में सडक पर बांस बल्ली लगाकर चक्का जाम कर नारेबाजी करने लगे। युवा किसान नेता डा अमित यादव ने कहा कि मृतक छात्रा के परिवार को उचित मुआवजा के साथ–साथ परिवार के एक सदस्य को नौकरी वह आरोपी ट्रक के चालक के साथ उचित कार्रवाई किया जाय,देवकली पावर हाउस बाजार पर ब्रेकर बनाया जाए। करीब 3 घंटे चले चक्का जाम को चौकी प्रभारी पूर्वांचल बृजेश कुमार गुप्ता ,थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने हालात को संभाला और समझाने बुझाने

का प्रयास किया। इसके बाद एसडीएम हिमांशु नागपाल व सीईओ जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवा नेता डॉ अमित यादव से बात करते हुए कहा कि ब्रेकर के साथ जो भी संभव होगा किया जाएगा ,वह मृतका के परिवार के लिए भी हर संभव मदत जाएगा ।इसके साथ ही ब्रेकर बनवाया जाए। चालक को ट्रक समेत चालक को हिरासत में ले लिया गया। जिसके बाद चक्का जाम समाप्त हुआ। लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान आने जाने वाले लोग काफी परेशान रहे बता देंगे मृतका के भाई धर्मेंद्र यादव के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इस अवसर राजेंद्र यादव, अनिल यादव, कृष्ण कुमार ,बबलू सारंग ,धीरज सोनकर, राजेश पांडे, दीपक सिंह, रोहित सिंह, बाबूलाल, मोहन मिश्रा, रोहित यादव, मुन्नालाल ,अरविंद कुमार, संदीप सिंह, महेंद्र कुमार, मनोज सिंह मौजूद रहे।

पत्रकार समाज बिना वायस्ड के अपनी जिम्मेदारियो को निभाएं – जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा

जौनपुर सू.वि. : जौनपुर प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस.मौर्य ने कहा कि भगवन नारद के नाम नारदीय पत्रकारिता होती है। नारद जी के शिखा पर फूल होता था लोग उसे एन्टीना मानते रहे। ऐसा विज्ञान ने सोचा होगा आज उसी से पत्रकारिता आगे बढ़ी है। पत्रकार वही है जो निडर हो साहसी हो जहां उनकी आवश्यकता हो वहीं पर जाये।हम भी कार्य करते है और आप भी कार्य करते है। आज पत्रकारिता मिशन के साथ साथ व्यवसाय भी हो गया है और जरूरी भी है कि बिना रोटी रोजी के पत्रकारिता नहीं हो सकती है उन्होंने मुहावरा जोड़ा भूखे भजन न होइहै गोपाला। साथ में बताया कि प्रचीन काल में पत्रकारिता मिशन थी आज व्यवसाय हो चुकी है। आज पत्रकारिता लक्ष्य से भटक गयी है यह अत्यंत ही चिन्ता का बिषय है। पीत पत्रकारिता से बचने की सलाह देते हुए पत्रकार समाज से अपील किया कि इमानदारी के साथ पत्रकारिता करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के आवास एवं शहरी नियोजन राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि आज जैसी संगोष्ठी जौनपुर प्रेस क्लब ने कराया है ऐसी संगोष्ठी सेमिनार आयोजित किये जाने चाहिए इससे पत्रकार समाज को नयी दिशा मिलने के साथ ही उनका ज्ञान वर्धन भी होता रहेगा। श्री यादव ने कहा कि पत्रकार साथी पूरी निष्ठा और इमानदारी के साथ अपने कार्य को बिना किसी भेद भाव के करे अगर कहीं कोई समस्या आती है तो हमें बताये हम पत्रकार साथियों के साथ नजर आयेगे। श्री यादव ने एक बात यह भी कहा पत्रकार समाज का दर्पण है उसे पूर्वाग्रह से पत्रकारिता नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है वह हर छोटे बड़े लोग उसके जानने वाले होते है। सरकार द्वारा संचालित योजनाओ में कहां कमी होती है उसकी जानकारी मीडिया के जरिये आसानी से होती है और हम उसका निराकरण कराते है। पत्रकार इमानदारी से अपनी पत्रकारिता करे। बिना

वायस्ड हुए सही खबरों को छापे, जहां भी कमियां हो बताये प्रशासन उसे जरूर गम्भीरता से लेता है। पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर पत्रकारिता करने से पत्रकारों की गरिमा पर ठेस पहुंचती है। कभी कभी हम लोग तथाकथित पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई भी करना पड़ता है। देश की तरक्की के लिए हर नागरिक को अपने दायित्वो का इमानदारी से पालन करना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लेने वाले पूर्वांचल विश्वविद्यालय जन संचार विभाग के हेड डा मनोज मिश्रा एवं डा पीसी विश्वकर्मा ने संगोष्ठी के बिषय हिन्दी में पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप पर अपने व्याख्यान देते हुए कहा कि बिषय बड़ा और समय कम है। लेकिन आज की पत्रकारिता पर शोसल मीडिया पूरी तरह से हाबी हो गयी है। वक्ता द्वय ने भी अपने संबोधन में पत्रकारो से पीत पत्रकारिता से बचने की सलाह दिया और कहा कि समाज हित के लिए पत्रकार को इमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, टीडी कालेज के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह आदि ने अपने विचारो को व्यक्त किया। इस अवसर पर कोरोना संक्रमण काल में जनपद वासियों की सेवा करने वाले 14 लोंगो को कुलपति एवं जिलाधिकारी के द्वारा स्मृति चिन्ह और शाल देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत जौनपुर प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष कपिल देव मौर्य ने किया। जनपद के कोने कोन से आये प्रेस क्लब के पत्रकारो ने अतिथियों को माल्यार्पण कर जबरदस्त स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप जौनपुर प्रेस क्लब के महामंत्री शम्भुनाथ सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कान्त पान्डेय, उपाध्यक्ष फूलचंद यादव, जुबेर अहमद, ई अजय पाल, सुनील वर्मा, शशिकान्त मौर्य, आशीष पान्डेय, दीपक सिंह रिंकू, अंकित सिंह, अवधेश तिवारी ,लल्लन मौर्य, मेंहदी हसन, सहित सभी तहसील अध्यक्ष जनों का सहयोग रहा। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन तहसील केराकत के अध्यक्ष अब्दुल हक अंसारी ने पूरे जोश के साथ किया।

कांपी,कलम, किताब एवं खेलकूद सामाग्री पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मंगलवार, दिनांक 26 अक्टूबर 2021 को कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के संरक्षकत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महिला अध्ययन केंद्र, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र–प्राथमिक विद्यालय बल्लीपुरा, देवकली, करंजाकला, जौनपुर में आंगनबाड़ी के बच्चों को कॉपी, कलम,पेंसिल, किताब, शैक्षिक उपकरण, खेलकूद के सामान एवं खाद्य सामाग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर बीडी शर्मा, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ.राकेश कुमार यादव,डॉक्टर विनय कुमार वर्मा डॉ शशिकांत यादव ,ग्राम प्रधान महेश सोनकर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती श्रीमती गौरी मिश्रा, रेखा

मिश्रा, समाजसेवी रामकृपाल यादव, डॉक्टर इंद्रेश कुमार,प्रधानाध्यापिका श्रीमती मिथिलेश शर्मा,स.अ. अर्चना यादव, रिंकी यादव, जितेंद्र यादव, दयनाथ, स्वयंसेवक, दिव्यांशु सिंह,शाश्वत श्रीवास्तव, आर्यन पाल, सूर्यप्रकाश वर्मा, सौमित्र तिवारी, संतोष यादव,सिद्धार्थ सिंह ,शैलेश यादव आदि उपस्थित रहे।

शक्ति बाण लगने से लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर रामा दल में छाया शोक

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : लॉक क्षेत्र के उमरनी पिपरी सूल्हेपुर चौराहे पर आदर्श रामलीला समिति द्वारा आयोजित की जा रही नौ दिवसीय रामलीला मंचन के सातवें दिन रविवार की रात स्थानीय कलाकारों द्वारा हनुमान जी द्वारा सीता की खोज, लंका दहन, राम सेना का लंका प्रस्थान, अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति की लीला का मंचन किया गया। मंचन के दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा विभिन्न लीलाओं का मंचन किया गया। रामलीला मंचन के दौरान लंका दहन, अंगद रावण संवाद एवं लक्ष्मण जी के मूर्छित होने के बाद रामा दल में शोक का प्रसंग काफी रोचक रहा। रावण के पात्र अभिनय आशीष कुमार, भगवान राम के पात्र अभिनय में पवन वर्मा, लक्ष्मण के पात्र अभिनय में अनिल शर्मा, हनुमान जी के पात्र अभिनय में वासुदेव वर्मा तथा विभीषण के पात्र अभिनय में प्रदीप वर्मा के अभिनय को दर्शकों द्वारा सराहा गया। रामलीला के प्रबंधक विश्राम वर्मा ने कलाकारों दर्शकों और सहयोगियों का आभार जताया गया।

हिन्दू महासभा ने किया आईटी कॉलेज पर प्रदर्शन

आर. एल. पाण्डेय लखनऊ. अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने आज आईटी कालेज के मुख्य द्वार पर धरना देकर घंटों प्रदर्शन किया. उनकी नाराजगी आईटी कालेज प्रबंधतंत्र के खिलाफ थी. बीते दिनों कालेज की प्राचार्य ने कक्षाओं की मानीटर द्वारा सभी हिन्दू छात्राओं से हाथ में कलावा न बाँधने व माथे पर टीका न लगाने का फरमान जारी कराया था, जिसका कई हिन्दू छात्राओं ने पुरजोर विरोध भी किया था. यह जानकारी जब हिन्दू संगठनों को मिली तो इस हिन्दू विरोधी मानसिकता वाले ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित आईटी कालेज प्रबंधतंत्र की साजिश के खिलाफ हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी की अगुवाई में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने कालेज गेट पर धरना – प्रदर्शन व नारेबाजी कर विरोध जताया.हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री चतुर्वेदी ने बताया कि उन्हें आईटी कालेज में पढ़ने वाली कई हिन्दू छात्राओं के अभिभावकों ने बताया कि कालेज की प्राचार्य के निर्देश पर कक्षाओं की मानीटर द्वारा हिन्दू छात्राओं से हाथ में कलावा न बाँधने तथा माथे पर टीका न लगाने को कहा गया. जिसका कई हिन्दू छात्राओं ने विरोध किया. उन्होंने बताया कि यह बात कालेज प्रबंधतंत्र की हिन्दू विरोधी मानसिकता का परिचायक है. ईसाई मिशनरी द्वारा चलाये जा रहे अधिकतर स्कूल – कालेजों में हमेशा हिन्दू विरोधी साजिश चलती रहती है जो आगे चलकर धर्मान्तरण को बढ़ावा देती है.भारतीय जन जन पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक पं. मनीष महाजन ने बताया कि कालेज गेट पर धरना, प्रदर्शन व नारेबाजी के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी में कालेज की प्राचार्य व कई वरिष्ठ शिक्षिकाओं ने गेट पर आकर प्रदर्शनकारी हिन्दू नेताओं से बात की. उनका कहना था कालेज प्रबंधकों की ओर से ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया है. बावजूद इसके यदि किसी शिक्षक या मानीटर द्वारा ऐसी बात कही गयी तो वह इसके लिए माफी मांगती हैं.धरना – प्रदर्शन में हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, उच्च न्यायालय की अभिवक्ता अलका लाल, आशुतोष मिश्र,आशीष सिंह, मुदित शुक्ल व धनीश श्रीवास्तव, आशीष वर्मा, नितिन चतुर्वेदी आदि नेतागण शामिल रहे।

ईट भट्ठा संचालकों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

बलरामपुर ब्यूरो डॉक्टर संजय शुक्ला : जीएसटी दर में बढ़ोतरी किए जाने से आक्रोशित ईट भट्ठा संचालकों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करके विरोध जताया। धरना प्रदर्शन के बाद ईट भट्ठा संचालकों की तरफ से वित्त मंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। ईट भट्ठा संचालकों ने वित्त मंत्री से मांग किया है कि कोरोनावायरस नुकसान को देखते हुए जीएसटी दर ना बढ़ाई जाए। ईट निर्माता कल्याण समिति अध्यक्ष मोहम्मद मारूफ खान महामंत्री सुभाष चंद्र मिश्र कोषाध्यक्ष राधाकृष्ण सफीक अहमद विजय यादव इरशाद आलम हारुण खान रामगोपाल यादव मंजूर अहमद गुड्डू उतरौला रईस अहमद बी पी सिंह व खलील अहमद आदि ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि 17 अगस्त को लखनऊ में जीएसटी काउंसिल की 45 वी बैठक हुई।बैठक में भट्ठे से निर्मित लाल ईंटों पर जीएसटी दर में अधिक वृद्धि करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। ईट भट्ठा कारोबारियों की वित्तीय स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। ईट भट्टों पर काम करने वाले मजदूरों को भी कारोबार ठप होने पर रोजगार गवाने पड़ेंगे। जीएसटी दर को बढ़ाने का प्रस्ताव जनविरोधी है। मैन्युफैक्चर सेक्टर को 40 लाख तक सालाना टर्नओवर पर जीएसटी कर मुक्त है। इन सब के बावजूद बैठक में ईट निर्माताओं के लिए 2000000 सालाना टर्नओवर तक प्रमुख का प्रस्ताव किया गया है जो ईट भट्ठा कारोबारियों के साथ घोर अन्याय है। नए नियम में बिना आईसीटी लिए कर की दर 6% और सामान्य रूप से ईटों के 5% कर को 12% किए जाने का प्रस्ताव किया गया। यह दोनों वृद्धि दर प्रस्ताव उद्योग व जनहित के खिलाफ है। यदि सरकार ने हमारी समस्याओं का निस्तारण शीघ्र ही नहीं किया तो हम ईट भट्ठा संचालक मजबूर होकर उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

चार अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर छापा : शटर बंद कर भागा संचालक

बलरामपुर ब्यूरो डॉक्टर संजय शुक्ला : नियमों की अनदेखी कर तमाम अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन किया जा रहा है। ऐसे सेंटरों पर शिकंजा कसने के लिए प्रशासन ने पहल शुरू कर दी है। उप जिला अधिकारी सदर व अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिवपुरा बाजार में चार अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर छापा मारा। प्रशासन की तरफ से छापा मारे जाने की सूचना पाकर जहां एक संचालक शटर बंद कर भाग गया वहीं अन्य सेंटरों पर भारी अनियमितता पाई गई। अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर नियमों की अनदेखी व अनियमितता पाए जाने पर संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। 3 दिन के अंदर संतोषजनक जवाब न मिलने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बताते चलें कि पूर्व में बिना रजिस्ट्रेशन तथा आवश्यक डिग्री के तमाम अल्ट्रासाउंड एवं पैथोलॉजी सेंटर चलाने की खबर संवाददाता ने प्रमुखता से छापी थी जिसे संज्ञान में लेकर जिला प्रशासन ने छापामारी अभियान शुरू कर दिया है। सदर एसडीएम अरुण कुमार गौड़ व एसीएमओ डॉ एस के श्रीवास्तव की संयुक्त टीम ने शिवपुरा बाजार के तन मन डायग्नोस्टिक सेंटर पर छापा मारा यहां पर न तो साफ सफाई मिली और ना आवश्यक दस्तावेज ही मिले। यहां पर कोविड–19 का पालन भी नहीं होता पाया गया। रचना अल्ट्रासाउंड सेंटर में छापे के दौरान कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। मशीन के चारों तरफ गंदगी फैली हुई मिली। छापे की सूचना मिलने पर दिव्या अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालक शटर बंद कर फरार हो गया। जनता अल्ट्रासाउंड सेंटर में ना तो डॉक्टर मिले और ना कोई दस्तावेज ही पाया गया। उप जिला अधिकारी ने बताया कि अल्ट्रासाउंड सेंटरों के संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। बताते चलें कि शिवपुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित है जिसके चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्रणव पांडे हैं जो स्वयं इन अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर जांच के लिए मरीजों को भेजते हैं जिन से मोटी रकम भी जाती है और डॉक्टर को हिस्सा दिया जाता है। इसीलिए पांडे ने अपनी तरफ से कभी पहल ना करके गैर कानूनी तरीके से अल्ट्रासाउंड सैंटरो को बढ़ावा दिया है। अभिलेखों के अनुसार एमबीबीएस रेडियोलॉजिस्ट कोई और है और उसके नाम पर दर्जनों पैथोलॉजी सेंटर चल रहे हैं जिन्हें नव सीखिए संचालित कर रहे हैं और जनता को लूट रहे हैं। जागरूक लोगों का कहना है कि पैथोलॉजी सेंटरों पर मनमाने तरीके से धन उठा जा रहा है जिसमें स्थानीय चिकित्सक का भी बराबर हिस्सा होता है इसीलिए इन पर अभी तक कोई विभागीय कार्यवाही नहीं हुई। संवाददाता से बातचीत करते हुए उप जिला अधिकारी ने बताया कि अल्ट्रासाउंड सेंटरों के संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। 3 दिन के अंदर जवाब न मिलने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

हिंदुत्व और विकास के जरिए ही पूर्वांचल के चुनावी मैदान में उतरेगी भाजपा : भ्रष्टाचार पर विपक्ष को घेरेगी

वाराणसी ब्यूरो : पूर्वांचल में अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 28वां वाराणसी दौरा कई मायनों में खास हो गया है। पीएम मोदी ने 35 मिनट के भाषण में पिछले सात सालों की विकास यात्रा के साथ ही मंच से नाम लिए बिना ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष की जमकर घेराबंदी की। पीएम ने अपने चिर परिचित अंदाज में हर–हर महादेव के जयघोष के साथ बाबा विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा का स्मरण किया। भले ही भाजपा इसे चुनावी शंखनाद नहीं मान रही, मगर यह साफ कर दिया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पिछली सरकारों के करप्शन को भाजपा मिशन यूपी इलेक्शन का हिस्सा बनाएगी। पूर्वांचल में दो बड़ी रैलियां। प्रदेश में विपक्ष की बढ़ती सक्रियता के बीच एक ही दिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूर्वांचल में दो बड़ी रैलियों के जरिए भाजपा ने पूरे पूर्वांचल को साधने की कोशिश की है। पीएम ने पिछले सात साल की अपनी सरकार के विकास गाथा को बताने के साथ ही लोगों को पुरानी समस्याओं के जरिए विपक्ष की नाकामियों की याद दिलाई। पिछली सरकारों को भ्रष्टाचार पर घेरा।जनसभा स्थल से आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन की सौगात के साथ ही पिछली सरकारों के भ्रष्टाचार की याद दिलाने से नहीं चूके। भले ही पूरे भाषण

में उन्होंने खुलकर किसी भी सियासी दल का नाम नहीं लिया लेकिन, स्वास्थ्य सुविधाओं के बहाने ही पहले की अव्यवस्थाओं के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। पूर्वांचल की सियासत का केंद्र काशी से पिछली सरकारों के भ्रष्टाचार और अपनी सरकार की विकास यात्रा को एक साथ साधकर उन्होंने आगामी चुनाव के लिए भाजपा का रुख साफ कर दिया है। महादेव और काशी से अपनापन का नाता। भोजपुरी में भाषण की शुरुआत कर पीएम ने पूर्वांचल से अपना नाता मजबूत किया तो हर हर महादेव, मानस के सोरठे के माध्यम से लोगों की भावनाओं को भी टटोला। कुल मिलाकर वाराणसी में पीएम की जनसभा के बाद भाजपा नए तेवर के साथ चुनावी तैयारी में जुटेगी। कारण, रैली के बाद से भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को भी चुनावी मोड में ले जाना चाह रही है।

बाढ़ प्रभावित कहारकोला गांव में पशु पालन विभाग ने 52 पशु मालिकों को वितरित किया भूसा

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : गर्रा नदी में आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए कहारकोला गांव में पशु पालन विभाग द्वारा पशु मालिकों को भूसा वितरित किया गया। बाढ़ के पानी से गांव में हरे चारे व भूसे से आदि की व्यवस्था चौपट हो गई थी, जिसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है। मंगलवार को भरखनी ब्लाक क्षेत्र के कहारकोला गांव में पशु चिकित्सा अधिकारी पाली डॉ धर्मेंद्र वर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी भरखनी डॉक्टर निर्मल गुप्ता की देखरेख में बाढ़ प्रभावित पशु मालिकों को भूसा वितरित कराया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ धर्मेंद्र वर्मा ने बताया कि उनके द्वारा नियमित रूप से उपरोक्त गांव कहारकोला में निरीक्षण किया जा रहा है और 600 से अधिक पशुओं का टीकाकरण भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा उन्हें बताया गया था कि उनके सामने पशुओं के चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है, बाढ़ से हरा चारा नष्ट हो गया है वहीं भूसा आदि की भी कोई व्यवस्था नहीं रह गई है। जिसको देखते हुए मंगलवार को पशुपालन विभाग द्वारा 52 पशु मालिकों को भूसा वितरित किया गया। बताते चलें कि बीते दिनों हुई भारी बारिश और बांधों से छोड़े

गए पानी के कारण गर्रा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे कहारकोला गांव टापू में तब्दील हो गया है, और गांव के आसपास सभी खेतों की फसल जलमग्न हो गई है। ग्रामीणों के सामने पशुओं को चारा खिलाने तक की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिसको दृष्टि रखते हुए पशु पालन विभाग द्वारा बाढ़ प्रभावित पशु मालिकों को भूसा वितरित किया गया। इस मौके पर भरखनी पशु चिकित्साधिकारी डॉ निर्मल गुप्ता, पाली पशु चिकित्साधिकारी डॉ धर्मेन्द्र वर्मा, ग्राम प्रधान पति रामनिवास व पूरी टीम मौजूद रही।

पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार ने थामा टीएमसी का दामन : ललितेश पति के नेतृत्व में ममता की पार्टी उतर सकती है मैदान में

वाराणसी ब्यूरो : पूर्वांचल में ब्राह्मण चेहरा बने ललितेश पति त्रिपाठी ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थाम लिया है। कांग्रेस में चार पीढ़ियों से जुड़े रहे त्रिपाठी परिवार के तृणमूल कांग्रेस में जाने के बाद प्रदेश और पूर्वांचल की राजनीति में नए परिणाम देखने को मिलेंगे। सोमवार को पूर्व एमएलसी राजेशपति त्रिपाठी और पूर्व विधायक ललितेश पति त्रिपाठी ने सिलीगुड़ी में आयोजित समारोह में तृणमूल की सदस्यता ली। दोनों पिता–पुत्र को तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सदस्यता दिलाई। ललितेश पति त्रिपाठी ने बताया कि संघर्षशील नेता के नेतृत्व में राजनीति के नए अध्याय को शुरू करने का अवसर मिला है। यह संघर्ष की नई राह है और हमने आज इसकी शुरुआत की है। कांग्रेस छोड़ने के बाद चर्चा हो गई थी तेज। बता दें कि कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद ललितेश पति त्रिपाठी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं कि वह आखिर किसके साथ जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस ने जिस तरह से बंगाल चुनाव में भाजपा को शिकस्त दी थी उससे देश भर में एक नया संदेश गया। ऐसे में संभावनाएं जताई जा रही हैं कि यूपी में तृणमूल कांग्रेस ललितेश पति त्रिपाठी की अगुवाई में विधानसभा चुनाव में उतर सकती है। वहीं, राज्यसभा की राह भी औरंगाबाद हाउस के लिए खुल सकती

है। हालांकि, ललितेश पति ने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। चुनाव हारने के बाद ही अलग–थलग से पड़ गए थे ललितेश। प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर ताजपोशी का सपना संजोएं पूर्व मुख्यमंत्री पं. कमलापति त्रिपाठी के प्रपौत्र ललितेश चुनाव हारने के बाद ही अलग–थलग से पड़ गए थे। पार्टी ने प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी तो सौंपी लेकिन शायद यह उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के अनुरूप नहीं था। नक्सली क्षेत्र होने के बावजूद ललितेश ने मड़िहान से 2012 में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी। युवाओं के चहेते और पूर्वांचल में बड़ा चेहरा होने के बावजूद पार्टी की ओर से ललितेश को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा था।

लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे नागरिक

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : रेलवे स्टेशन मार्ग पर लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के लापरवाह रवैया के चलते आम आदमी को परेशानियों का सामना करना पड़ा है।विदित हो कि कई बार शिकायतों के बाद इस मार्ग का निर्माण चालू हो गया,लेकिन विगत कई दिनों से कार्य बंद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग निर्माण से पहले दोनों तरफ नाली का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है,लेकिन नाली निर्माण का कार्य छोड़ कर विभाग द्वारा पहले सिर्फ सड़क निर्माण का कार्य कराया जा रहा है जो चिंता का विषय है।अक्सर बारिश में नाली ना होने से सड़कों पर बुरी तरीके से जलभराव हो जाता है जिससे पैदल चलना तो दूर चार पहिया वाहन भी नहीं चल पाता है। विभाग कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति कर रही है जिसका खामियाजा आम नागरिकों को झेलना पड़ रहा है। खास बात हो यह है कि सरकार से भारी तनख्वाह पाने वाले लोक निर्माण विभाग के आला अफसर समस्याओं की अनदेखी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

हमारा देश रहे कोरोना मुक्त और स्वस्थ रहे देशवासी – अरविंद कजरीवाल

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार राम नगरी अयोध्या आये।जहाँ पर उन्होंने अयोध्या जाकर सरयू नदी में शामिल हुये।इसके बाद पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक वे हनुमानगढीध व रामलला का दर्शन करने के बाद दिल्ली के लिये रवाना हुये।दिल्ली रवाना होने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कल उन्होंने सरयू मां की आरती की थी और आज सुबह हनुमानगढ़ी जाकर के दर्शन पूजन व भगवान श्री रामचंद्र जी के दर्शन किये।मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं अपने देश के लिए सभी देशवासी हमेशा खुश रहे।कोरोना महामारी खत्म हो हमारे देश में सभी लोग सुख शांति से जिये।हमारे देश का विकास हो।मुझे भगवान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ मैं चाहता हूं कि यह सौभाग्य हर भारतवासी को प्राप्त हो।सभी चाहते हैं कि राम जन्म भूम आकर दर्शन पूजन का मौका मिले।मैं चाहता हूं सबको यह अवसर प्राप्त हो।मेरी जो क्षमता है मेरी जो ताकत है उस सब को मैं ज्यादा से ज्यादा लोगों को यहां पर दर्शन करवाने के लिए इस्तेमाल करूंगा। सब को ज्यादा से ज्यादा मौका और सौभाग्य मिले। उसमें जितनी मैं मदद कर सकूं मैं करूंगा हम दो काम करने वाले हैं दिल्ली के अंदर हमारी एक योजना है मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना। उस योजना के तहत हम दिल्लीवासियों को फ्री में तीर्थ यात्रा करवाते हैं। उसमें सभी तीर्थ स्थल वैष्णो देवी सिरणी, महाराज रामेश्वरम, द्वारका पूरी हरिद्वार ऋषिकेश मथुरा वृंदावन की तीर्थ यात्रा करवाते हैं। कल सुबह हमने दिल्ली में स्पेशल

कैबिनेट बैठक रखी है।जो सुबह 11:00 बजे शुरू होगी।तीर्थ यात्रा की लिस्ट में अयोध्या को भी शामिल किया जाएगा ।अब दिल्ली के लोग राम जन्म भूमि अयोध्या का भी दर्शन कर पाएंगे ।इस योजना के अंतर्गत दिल्लीवासियों को एसी ट्रेन से सफर कराया जाता है एसी होटल में रुकवाया जाता है सारा खर्च सरकार वहन करती है। जनता को कुछ भी नहीं दे पड़ता ।कल यह योजना दिल्ली से अयोध्या के लिए भी मंजूर हो जाएगी।वही उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर कहा कि अयोध्या राम जी का दर्शन कराने के लिए सबका फ्री व्यवस्था की जाएगी। जैसा दिल्ली में चल रही है। वही अपने दिए हुए दान पर कहते हुए बोले कि हमने भी दान किया है लेकिन दान ऐसा होना चाहिए कि दाएं हाथ को दे तो बाएं हाथ को पता ना चले ।विपक्ष के द्वारा एक्सीडेंटल हिंदू कहे जाने पर बोले अरविंद केजरीवाल उनको कहने दीजिए उससे कोई फर्क नहीं पड़ता भगवान के दरबार में सब का स्वागत है। प्रभु का दर्शन कर दो चीज मांगी एक अपने देशवासियों के लिए सुख शांति देश का विकास और दूसरा कि प्रभु मुझे शक्ति दे कि मैं ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को यहां पर लाकर उनके दर्शन करा सकूं।

पेड़ की कटान कर रहे ठेकेदार व समर्थक वन विभाग टीम पर हुए हमलावर

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : तहसील क्षेत्र में वन विभाग व पुलिस की मिलीभगत से दर्जनों प्रतिबंधित आम जामुन महुआ शीशम के पेड़ काटने का मामला प्रकाश में आया है। बताते चलें कि थाना इनायतनगर व खंडासा क्षेत्र में ठेकेदारों द्वारा अलीपुर खजूरी रसौली थाना खंडासा की सेवक शुक्ल का पुरवा शुक्ल पुर धौराहरा नऊवन पुरवा में हरियाली को नष्ट करते हुए प्रतिबंधित आम महुआ जामुन की हरे पेड़ों को काटा जा रहा है जहां एक तरफ सरकार वृक्षारोपण कर पर्यावरण को शुद्धता प्रदान कर रहा है वही सरेआम स्थानीय पुलिस वन विभाग की मिलीभगत से पेड़ों को काटा जा रहा है। क्षेत्र के अस्थाना पूरे रसौली गांव में ठेकेदार इसरार पुत्र वसीम उर्फ बकाउ निवासी अलीपुर खजूरी द्वारा बेशकीमती हरा आम का पेड़ काटा जा रहा था जिसकी शिकायत वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज से की गई थी सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी ने मौके पर टीम भेजकर ठेकेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर। कार्यवाही को कहा था जैसे ही टीम कटे हुए आम के पेड़ के पास रसौली पहुंची जहां लकड़ी लादने के लिए 2 पिकअप खड़ी थी टीम के पहुंचते ही ठेकेदार सहित व उसके सहयोगी टीम पर हमला और हो गए हाथापाई की गाली गलौज भी दिया। बीट प्रभारी दिलीप श्रीवास्तव ने बताया कि लकड़ी काटने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन व लकड़ी को कब्जे में लेते हुए ठेकेदार इसरार पुत्र वसीम उर्फ बकाऊ के विरुद्ध थाना इनायतनगर पर मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया है।

नवागत जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने संभाला जिले का चार्ज

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के नवागत जिलाधिकारी नितीश कुमार सबसे पहले अयोध्या सर्किट हाउस पहुँचे।इस मौके पर नवागत जिलाधिकारी नीतीश कुमार का अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वागत किया।वही सर्किट हाउस पर उन्हें गार्ड ऑफ आनर दिया

गया।वही इसके बाद नवागत जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने हनुमानगढ़ी और रामलला पर भी जाकर दर्शन पूजन किया।उसके बाद मुख्यालय पर आकर उन्होंने कार्यभार संभाला।इससे पहले उन्होंने राम मंदिर निर्माण स्थल का भी जायजा लिया।मालूम हो कि नवागत अयोध्या जिला अधिकारी नीतीश कुमार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदेन ट्रस्टी का भी निर्वाह करते हैं।इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, एडीएम वित्त एवं राजस्व गोरेलाल शुक्ला, एडीएम सिटी सलिल कुमार पटेल, एडीएम प्रशासन संतोष कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार सिंह, एडीएम भूमिअध्याप्ति लव कुमार सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी चंद्रशेखर मिश्र, एसपी ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह सहित उप जिला अधिकारी तहसीलदार सदर डिप्टी कलेक्टर केडी शर्मा, प्रशांत कुमार व अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

परिवर्तन यात्रा लेकर रामनगरी पहुंचे समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : परिवर्तन यात्रा लेकर अयोध्या पहुंचे समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी का आज समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्री आजमी को फूल मालाओं से लाद दिया। स्वागत से अभिभूत अबू आसिम आजमी ने इस बार प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव जैसा मुख्यमंत्री दूसरा नहीं मिल सकता। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की जो हालत है उसकी जिम्मेदार भारतीय जनता पार्टी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिस तरीके से अराजकता का माहौल व्याप्त है लोगों का प्रदेश में रहना दूभर हो चुका है आशा की किरण अब सिर्फ समाजवादी पार्टी की ओर दिखती है जिसके सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद ने इस मौके पर कहा कि अबू आसिम आजमी जैसे नेताओं ने महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के बैनर तले जो काम किया है वह अब मील का पत्थर बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जनता भाजपा सरकार से बुरी तरह से त्रस्त है और उससे छुटकारा चाहती है। पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय पवन ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही वह दल है जो प्रदेश को इस अराजकता के माहौल से बाहर निकाल सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिलाध्यक्ष गंगासिंह यादव ने श्री आजमी का स्वागत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। पूर्व विधायक अभय सिंह ने भी श्री आजमी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जैसा नेता अकेले ही महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी की बागडोर संभाल रहा है। महानगर अध्यक्ष श्यामकृष्ण श्रीवास्तव ने इस मौके पर कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा मंसूर इलाही व संचालन महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया। पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज महाराष्ट्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष, विधायक अबू आसिम आजमी का पार्टी कार्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि अबू आसिम आजमी ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसने का आह्वान भी किया। श्री यादव ने बताया कि मुख्य अतिथि अबू आसिम आजमी का स्वागत अयोध्या ने संत समाज ने भी किया। जिसमें मुख्य रूप से स्वामी दिलीप दास, म0 शत्रुघ्न दास, म0 रामजानकी दास, म0 नीरज शास्त्री, राजेन्द्र पुजारी, राघव दास, राहुल सिंह, मो0 इकबाल अंसारी ने किया। इस अवसर पर जिला महासचिव बख्तियार खान, महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, बाबूराम गौड़, श्रीचन्द यादव, वरिष्ठ नेता छेदी सिंह, मो0 हलीम पप्पू, चौ0 बलराम यादव, अमृत राजपाल, पारसनाथ यादव, रामअचल यादव, पार्षद दल नेता हाजी असद अहमद, छोटे लाल यादव, मो0 सुहेल, शम्भूनाथ सिंह दीपू, संजय सिंह, रोली यादव, सरोज यादव, सीमा मौर्या, अर्पणा जायसवाल, उषा गुप्ता, मो0 शुऐब, अतुल चौधरी, निशा खान, निशात अख्तर, मो0 सिराजुल हक, भानू प्रताप सिंह, देशराज यादव, रामरंग यादव, सत्य नारायण मौर्या, मिर्जा सादिक हुसैन, इशराक खान, गौरव पाण्डेय, वसी हैदर गुड्डू, अंसार अहमद बब्बन, नन्दू गुप्ता, जब्बार अली, मंजीत यादव, मो0 ईस, मो0 आरिफ, पंकज शर्मा, विशाल पाल, रामभवन यादव, राम अजोर यादव, संजीत सिंह, शाहबाज लकी, शादमान, अजय विश्वकर्मा, अवधेश यादव, नन्हकन यादव, महेन्द्र चौरसिया, नीरज तिवारी, इश्तियाक खान, गोपीनाथ वर्मा, हरीश सावलानी, उमेश यादव, रमेश यादव, रत्नाकर पाण्डेय, यदुनाथ यादव, शशांक शुक्ला, संटी तिवारी, लल्ला यादव, ईशा कुरैशी, मिन्टू श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे। फैजाबाद की सीमा में स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से सहादतगंज पर प्रदेश उपाध्यक्ष मो सुहैल, इमरान खान के नेतृत्व में, नगर निगम पर मंजीत यादव, प्रताप जयसवाल के नेतृत्व में, गुदड़ी बाजार में रिजवान हसनैन कामिल हसनैन, मोहम्मद जैगम, हनुमानगढ़ी में शादमान खान, आसिफ चाँद, असलम पठान, रोडवेज पर पार्षद अर्जुन यादव सोमू के नेतृत्व में, रिकाबगंज में फरीद कुरैशी के नेतृत्व में, नियावां में कैंट सभासद अपील बबलू, सनी यादव ने अपने साथियों के साथ स्वागत किया।

विद्युत विभाग की "एकमुश्त समाधान योजना" पर गोष्ठी सम्पन्न

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : विकासखंड पूराबाजार के ग्राम पंचायत रामपुर सरधा के पंचायत भवन में विद्युत उपकेन्द्र रसूलाबाद के द्वारा "एकमुश्त समाधान योजना" पर गोष्ठी कर ग्रामीणों को छूट के बारे जानकारी दी गई और बताया कि यह योजना 30 नवंबर तक है। उपभोक्ता छूट का लाभ उठा सकते हैं। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान अभिषेक सूर्यवंशी "अंकुर" ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की यह योजना किसानों एवं गरीबों के लिए विशेषकर लाभकारी है जिसमें किसानों को ब्याज पर 100 : छूट सुनिश्चित की जा रही है। अभिषेक सूर्यवंशी अंकुर ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं माननीय उर्जा मंत्री श्री श्रीकांत शर्मा जी का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए विद्युत उपकेंद्र रसूलाबाद के अवर अभियंता सुनील जायसवाल ने विस्तार से जानकारी देते हुए सभी से योजना का लाभ उठाते हुए अपना बकाया बिल जमा करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर तकनीकी सहायक रवीन्द्र चौरसिया, राजू यादव लाइट मैन आदि विद्युत कर्मियों के साथ साथ जितेन्द्र सिंह, अमित कुमार, सचिन सिंह, शिवम सिंह, मोमिना, सीता वर्मा, राम नरायन, राज करन, ओम प्रकाश, नूर जहां, कमर जहां, सुगंधा आदि सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बैठक कर प्रेरणा तालिका मैपिंग, डीबीटी एवं एमडीएम पर की चर्चा

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शाहाबाद ब्लॉक सभागार में खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहाबाद शशांक सिंह के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभागीय सूचनाओं एवम आदेशों से अवगत कराया गया जिसके अन्तर्गत प्रेरणा तालिका पर मैपिंग, डी बी टी एवं एम डी एम उपभोग, विद्यालय पुस्कालय एवम रीडिंग कार्नर, अध्यापन कार्य,शिक्षक डायरी, शिक्षण योजना, आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। इस अवसर पर जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जनपदीय महामन्त्री सन्तोष अग्निहोत्री द्वारा माननीय मुख्य मन्त्री उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों की समस्याओं के सम्बन्ध में संगठन द्वारा प्रेषित मांगपत्रों के निस्तारण के समाधान हेतु गठित कमेटी एवम उनके निस्तारण की पहल एवम आदेश के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।उन्होंने कहा कि प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा बिभाग को अपर मुख्य सचिव गृह ,गोपन बीजा पासपोर्ट कारागार एवम सतर्कता विभाग उत्तरप्रदेश शासन ने जो कि कमेटी के अध्यक्ष भी हैं, संगठन द्वारा दिए गए मांगपत्र/समस्याओं आदि के सम्बन्ध में विभागीय टिप्पणी/आख्या अपने अभिमत/संस्तुति सहित उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं जिससे संगठन के मांगपत्र का निस्तारण किया जा सके। उन्होंने सभी शिक्षक भाई शिक्षिका बहनों से अपील की कि सभी संगठन के आदेशों निर्देशों का गंभीरता पूर्वक पालन करें जिससे हम सभी अपनी न्यायोचित मांगें पूर्ण कराने में सफल हो सकें। इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जनपदीय आडीटर महाबीर प्रसाद मिश्र, ब्लॉक सन्युक्त मन्त्री प्रेमकुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ शाहाबाद के अध्यक्ष प्रभाकर बाजपेयी, मन्त्री इमरान खान,ए आर पी अभिषेक मिश्र,पातीराम,जहांगीर आलम, राजेन्द्र कुमार, आशुतोष मिश्र, रामगोपाल यादव,सदाशिव दीक्षित सहित बिकास क्षेत्र शाहाबाद के समस्त प्रधानाध्यापक एवम इन्चार्ज अधयापक उपस्थित रहे।

अनाज से बनाई गई राम–जानकी की कलाकृति का कानून मंत्री ने किया लोकार्पण

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के आशापुर दर्शननगर स्थित अवध इंटरनेशनल स्कूल परिसर में अनाज से बनाई गई भगवान श्री राम जानकी और हनुमान जी की कलाकृति का प्रदेश के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने लोकार्पण किया।इस मौके पर उन्होंने कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार से हर तरह का सहयोग दिलाने का भरसक प्रयास किया जायेगा।सूत्र के मुताबिक 10 हजार 800 स्क्वायर फीट में बनाई गई कलाकृति को हर कोई देखकर मोहित हो गया।वही इसी कड़ी में इस मौके पर वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी पहुंची है।इस दौरान स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अनोखी छटा बिखेरी।वही लोग सेल्फी लेते भी नजर आए।मिली जानकारी के मुताबिक हरदा मध्य प्रदेश के 60 कलाकारों द्वारा बनाई गई कलाकृति को देखकर हर कोई सम्मोहित हो उठा।इस स्कूल के भूखंड पर 11 तरह के 125 कुंतल अनाज से मध्य प्रदेश के हरदा के 60 कलाकार द्वारा बनाई गई। यह कलाकृति खिलता कमल जन कल्याण सामाजिक सेवा संस्थान के सहयोग से कलाकार सतीश गुर्जर के नेतृत्व में तैयार की गई।इस दौरान मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल के पुत्र संदीप पटेल स्वयं अयोध्या में टीम की हौसला अफजाई के लिए मौजूद रहे।इस मौके पर एक कलाकार ने बताया कि हमारी टीम 60 लोगों की है, जिसमें आर्ट व मैनेजमेंट के लोग शामिल हैं। 16 तारीख को हम अयोध

या आ गए थे लेकिन 3 दिन बरसात होने के कारण कार्यक्रम में देरी हुई और फिर उसके बाद हमने 2 दिन के अंदर कलाकृति तैयार कर दी।पहले भी अनाज के दानों से कलाकृति बनाकर रिकार्ड दर्ज करा चुके हैं।गौरतलब है कि हरदा मप्र के कृषि मंत्री कमल पटेल की कर्मभूमि है।उनके सान्निध्य में सतीश गुर्जर व उनकी टीम द्वारा पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम व स्वामी विवेकानन्द जी की अनाज के दानों से बनाई गई। कलाकृति विश्व रिकार्ड में स्थान प्राप्त कर चुकी हैं।फिलहाल अयोध्या में तैयार की गई राम जानकी और हनुमान जी की कलाकृति को भी रिकॉर्ड में शामिल करने के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड जी टीम पहुंच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

खेलते–खेलते नाला बन चुके रजवाहे में डूबी छह साल की मासूम : तलाश जारी

अलीगढ़ ब्यूरो : जीटी रोड से सटे बौनेर बिजलीघर के पास गांव गिरधरपुर के नगला गड़ियावली में सोमवार सुबह छह साल की बच्ची खेलते–खेलते नाला बन चुके रजवाहे में डूब गई। देर शाम तक गोताखोर बच्ची को तलाशते रहे, मगर बच्ची का सुराग नहीं लगा था। खबर पर पुलिस के साथ–साथ फायर सर्विस व रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई थी। रजवाहे में अधिक मलबा और बहाव तेज होने के कारण बच्ची का मिलना संभव नहीं हो रहा था। गांव गड़ियावली से 200 मीटर दूरी पर रामघाट रोड, ओजोन सिटी से होकर पुराना रजवाहा अधौन की ओर जा रहा है। यह रजवाहा अब नाले का रूप ले चुका है। रात बारिश के कारण इसमें पानी का बहाव बेहद तेज था। पिछले करीब 20 साल से इस नाले की सफाई न होने के कारण इसमें मलबा भी काफी है। इसी नाले में गांव निवासी टैंपो चालक पवन कुमार के 4 बच्चों में से तीसरे नंबर की 6 वर्षीय बेटी देवकी सोमवार सुबह करीब दस बजे गिर गई। पवन के अनुसार, गांव–परिवार के चार–पांच बच्चे खेलते खेलते नाले के पास पहुंच गए थे। इनमें देवकी भी शामिल थी। इस नाले पर छोटी पुलिया बनी है, जिससे नाला पार करके ग्रामीण आगे चामुंडा मंदिर व बेसिक स्कूल की ओर भी जाते हैं।

परिवार के अनुसार, खेल–खेल में बच्ची उस पुलिया पर चल रही थी, तभी अचानक उसका पैर फिसला और वह नाले में गिर गई। हालांकि, कुछ बच्चों का यह भी कहना था कि वह शौच के इरादे से पुलिया से आगे खेतों की ओर जा रही थी। बच्ची के गिरते ही अन्य बच्चों ने शोर मचाया

तो आसपास खेतों में काम कर रहे लोग आ गए। इधर, घटना से पहले पवन टैंपो लेकर घर से निकल चुका था। जब बच्ची के घर खबर पहुंची तो उसकी मां किरन, दादी शकुंतला दौड़ते हुए पहुंच गए। बाद में पवन भी आ गया। सूचना पर गांधीपार्क पुलिस, फायर सर्विस व रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई। ग्रामीणों व रेस्क्यू टीम ने जगह जगह नाले में बांध के रूप में जाली, चारपाई, टिन आदि लगाकर बहाव कम करने का प्रयास किया और गांव के ही गोताखोरों की मदद से देर शाम तक बच्ची की तलाश का काम जारी रहा। मगर बच्ची का सुराग नहीं लग सका था। इसे लेकर परिवार का हाल बेहाल था। इंस्पेक्टर गांधीपार्क के अनुसार बच्ची की देर शाम तक तलाश जारी थी। मलबे पर उग आई है घास। इस रजवाहे में जमे मलबे ने नाला व रजवाहा सफाई अभियान की पोल खोल दी है। जिस वक्त बच्ची की तलाश जारी थी। तब नाले में बहते पानी के ऊपर मलबे की एक ऐसी परत जमी थी, जिस पर घास उग आई थी। उस परत पर ग्रामीण भी खड़े हो जा रहे थे। उसके नीचे से पानी बह रहा था। इसको लेकर ग्रामीणों का कहना था कि पिछले बीस साल से इस नाले की कभी सफाई होते नहीं देखी। रात को गांव में नहीं रुकते रिश्तेदार। ग्रामीणों ने नाले की गंदगी व दुर्गंध ा से पैदा होने वाले मच्छरों को लेकर बताया कि रात में गांव में रिश्तेदार नहीं रुकते। उन्हें दिन में गंदगी व दुर्गंध परेशान करती है और रात को मच्छर परेशान करते हैं।

पीएसी के पास रामघाट रोड बना तालाब : लगा जाम

अलीगढ़ ब्यूरो : रामघाट रोड पर पीएसी के पास पेट्रोल पंप के सामने बड़े–बड़े गड्ढे व जलभराव की समस्या नासूर बनती जा रही है। रविवार रात हुई बारिश ने राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। गड्ढों में दो से तीन फुट तक पानी भर गया। सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। सोमवार को इन गड्ढों में फंसकर कई ई–रिक्शा व ऑटो पलट गए और उसमें बैठे लोग कीचड़युक्त पानी में गिर पड़े। कई कारें व बाइकें भी जलभराव में फंसकर बंद हो गईं। इसके चलते यहां पर सुबह से लेकर शाम तक जाम लगा रहा। संत फिदेलिस एवं आसपास के अन्य स्कूलों में पैरेंट्स–टीचर मीटिंग में शामिल होने आए अभिभावक भी बमुश्किल ही मीटिंग में पहुंच सके। ऑफिस एवं अन्य कामों से आने–जाने वाले लोग भी बेहद परेशान रहे। रामघाट रोड पर पीएसी के पास पेट्रोल पंप के सामने जलभराव व गड्ढों की समस्या करीब डेढ़ वर्ष पुरानी है। मुरादाबाद, बुलंदशहर समेत अन्य जिलों को जाने वाले एवं वीवीआईपी के आगमन के लिए इस्तेमाल होने वाली इस सड़क पर गड्ढे व जलभराव से राहगीर एवं वाहन स्वामियों का बुरा हाल है। कुछ समय पहले पीडब्लूडी ने इन गड्ढों को भरवाकर सड़क का निर्माण कराकर खानापूर्ति कर दी थी। लेकिन दो हफ्ते पहले हुई बारिश से सड़क उखड़ गई और बड़े–बड़े गड्ढे हो गए। बताया जा रहा है कि यहां का पानी सूखने के बाद नाला निर्माण होने जा रहा था कि रविवार रात हुई बारिश ने उम्मीदों पर फिर पानी फेर दिया। गड्ढों में कई फुट तक पानी भरने से सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। आलम यह है कि दोपहिया वाहन चालक यहां पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं तो चौपहिया वाहन पानी में फंसकर बंद हो रहे हैं। सोमवार को जलभराव में वाहन फंसने से लंबा जाम लग गया। जाम में

फंसकर लोग बेहद परेशान रहे। पीडब्लूडी के एई सुनील चौहान ने बताया कि सड़क पर भरा पानी पंप सेट से निकाला जाएगा। पानी सूखने पर नाला निर्माण समेत अन्य काम कराए जाएंगे। योगी सरकार ने समस्या को बढ़ाने का किया है काम। पेट्रोल पंप के सामने जलभराव व गड्ढों की समस्या पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को जलभराव के चलते बच्चे और अभिभावक पैरेंट्स मीटिंग में जाने के लिए घंटों जाम में फंसे रहे। पूरी सड़क पानी में डूबी हुई थी। यह सड़क किसी अप्रिय घटना का निमंत्रण दे रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अलीगढ़ प्रशासन किसी दुर्घटना के बाद ही जागेगा। योगी सरकार विकास की बात करती है, लेकिन अतरौली रोड जैसे वीवीआईपी रास्ते को सही नहीं करा पा रही है। उत्तर प्रदेश को योगी सरकार ने गड्ढा मुक्त नहीं गड्ढायुक्त बना दिया है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।